भारत-भूटान सीमा पर लैंड पोर्ट: जयगाँव के बाद असम के नए द्वार

अंतर्राष्ट्रीय | भारत-भूटान • भू-बंदरगाह • सीमा-व्यापार • GS-II | समाचार-संदर्भ: नवंबर 2026 | प्रकाशन: 5 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

क्यों ज़रूरी: भारत-भूटान द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में **1.9 अरब अमेरिकी डॉलर** के पार गया — पिछले वर्ष से **46% से अधिक की वृद्धि**। दशकों से यह व्यापार पश्चिम बंगाल के **जयगाँव** (फुएंतशोलिंग के सामने) पर केंद्रित है; 2021 में लगभग 75% व्यापार इसी एक बिंदु से होता था। जयगाँव LCS का एकीकृत चेक पोस्ट (ICP) में रूपांतरण वर्षों से लंबित है — अभी तक केवल DPR तैयारी और 122 एकड़ भूमि की पहचान हुई है; चरम समय पर किलोमीटर लंबी कतारें दर्ज हैं।

सीमा पर मौजूदा ढाँचा

- **अधिसूचना और संख्या का संदर्भ:** CSEP के 8 सितंबर 2026 के विश्लेषण में 10 बिंदुओं (पश्चिम बंगाल 6, असम 4) का उल्लेख है, लेकिन उसी लेख में समरांग जुड़ने के बाद असम के पाँच संपर्क-बिंदु भी बताए गए हैं। अधिसूचना संख्या 43/2026-सीमा शुल्क (गै.टै.), दिनांक 6 मई 2026 की उपलब्ध प्रति के अनुसार, भूटान-सीमा की तालिका में समरांग को मद (11) के रूप में जोड़ा गया और रंगिया-तामुलपुर-दिमाकुची मोटर मार्ग निर्दिष्ट हुआ। इसलिए 10 को वर्तमान कुल न मानें। अधिसूचित प्रविष्टि, विकसित ICP और वास्तव में चालू व्यापार-बिंदु अलग बातें हैं; इस लेख में चालू पोर्टों की वर्तमान कुल संख्या की पुष्टि नहीं की गई है। CSEP असम के संदर्भ में दरंगा, हातीसर, कमरद्विसा, उल्टापानी और समरांग के नाम देता है।
- **दरंगा ICP:** भूटान सीमा से लगभग 700 मीटर दूर 14.5 एकड़ में बना; NH-27 और भूटान के मोतांगा कस्टम्स पोस्ट से जुड़ा — पूर्वी भूटान के मोतांगा औद्योगिक एस्टेट (समद्रुप जोन्खार) तक सीधा गलियारा।
- **व्यापार-विविधीकरण:** 2024 में भूटान के 17,000 टन सुपारी कोटे के स्वीकृत पोर्टों में हातीसर और दरंगा जुड़े (पहले जयगाँव/चामुर्ची एकाधिकार); थिंपू में वाणिज्य सचिव-स्तरीय बैठक में दरंगा को खाद्य-आयात का अतिरिक्त प्रवेश-बिंदु बनाने और फाइटो-क्वारंटीन स्टाफ तैनात करने पर सहमति बनी।
- **गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी:** भूटान की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से दक्षिणी भूटान और असम-सीमा कॉरिडोर का महत्व बढ़ेगा।

परीक्षा-दृष्टि से महत्व

- **प्रीलिम्स:** LCS बनाम ICP का अंतर (ICP = Land Ports Authority of India के अधीन एकीकृत सुविधा), जयगाँव-फुएंतशोलिंग, दरंगा-समद्रुप जोन्खार, समरांग (उदलगुरी) की अवस्थिति, NH-27, भारत-भूटान व्यापार के आँकड़े, गेलेफू परियोजना।
- **मुख्य परीक्षा (GS-2/GS-3):** सीमावर्ती अवसंरचना और पड़ोसी-प्रथम/Act East नीति, BBIN कनेक्टिविटी, छोटे पड़ोसियों के साथ व्यापार-संतुलन, सीमा-क्षेत्रों का आर्थिक विकास।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. समरांग LCS किस जिले में स्थित है?

(a) दारंग

(b) उदलगुरी

(c) कामरूप

(d) बोंगाईगाँव

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) — उदलगुरी (असम)। मई 2026 में अधिसूचित होकर यह असम का पाँचवाँ भारत-भूटान कनेक्टिविटी बिंदु बना।

प्रश्न 2. वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-भूटान द्विपक्षीय व्यापार लगभग कितना रहा?

(a) 0.9 अरब डॉलर

(b) 1.9 अरब डॉलर

(c) 4.6 अरब डॉलर

(d) 19 अरब डॉलर

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) — 1.9 अरब डॉलर — पिछले वर्ष की तुलना में 46% से अधिक की वृद्धि। यही वृद्धि-दबाव एकल जयगाँव गेटवे पर विविधीकरण का प्रमुख तर्क है।

प्रश्न 3. दरंगा ICP भूटान के किस औद्योगिक क्षेत्र से सीधा जुड़ता है?

(a) फुएंतशोलिंग

(b) गेलेफू

(c) मोतांगा (समद्रुप जोन्खार)

(d) पारो

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c) — मोतांगा औद्योगिक एस्टेट, समद्रुप जोन्खार जिला — दरंगा ICP सीमा से ~700 मीटर दूर NH-27 पर बना है, जिससे कच्चे माल, कोयला और भारी मशीनरी की ढुलाई लागत घटती है।

प्रश्न 4. LCS और ICP में मुख्य अंतर क्या है?

(a) कोई अंतर नहीं

(b) ICP में सीमा-सुविधाएँ (विदेशी मुद्रा छोड़कर) एकीकृत एक परिसर में, LCS सीमित सीमा-शुल्क सुविधा

(c) ICP केवल हवाई मार्ग के लिए

(d) LCS केवल रेल के लिए

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) — Integrated Check Post सीमा-शुल्क, आव्रजन, सुरक्षा और फाइटो-क्वारंटीन जैसी सभी सुविधाओं को एक परिसर में एकीकृत करता है (Land Ports Authority of India), जबकि Land Customs Station सीमित सीमा-शुल्क बिंदु होता है।

स्रोत

अधिसूचना 43/2026-सीमा शुल्क (गै.टै.), 6 मई 2026: CAalley पर मिरर प्रति; समरांग की मद (11)

CSEP, 8 सितंबर 2026: भारत-भूटान व्यापार गलियारों का विश्लेषण; संख्या-विवरण की सीमा ऊपर स्पष्ट है

1. CSEP (Centre for Social and Economic Progress) विश्लेषण, 8 सितंबर 2026
2. India Today NE / Northeast News, 31 अगस्त 2026
3. PIB।